

# सब्जियों की फसलों में कृषि रसायनों का सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण उपयोग



भा.कृ.अनु.प.-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान,  
क्षेत्र-1 पं.कृ.वि. परिसर, लुधियाना-141004

भा.कृ.अनु.प.-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, क्षेत्र-1  
पं.कृ.वि. परिसर, लुधियाना-141004

जनवरी 2017

1000 प्रतियाँ

संपादक:

डॉ. प्रज्ञा भदौरिया  
डॉ. अरविन्द कुमार

प्रकाशक:

निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान  
क्षेत्र-1, पं.कृ.वि. परिसर, लुधियाना-141004  
दूरभाष: 0161-2401018  
ई-मेल: zcu1ldh@gmail.com

नोट: इस अंक में प्रसारित रचनायों में व्यक्त विचारों/आंकड़ों आदि के लिए  
लेखक स्वयं उत्तरदायी है।

मुद्रक :

प्रिंटिंग सर्विसेज कंपनी  
3801/1, प्रीतम नगर  
मॉडल टाउन, लुधियाना-141004  
दूरभाष : 0161-2410896, 09888021624  
ई-मेल : decentpublish@gmail.com

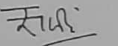


भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद  
कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान  
क्षेत्र-1, पं.कृ.वि. परिसर, लुधियाना-141004  
Indian Council of Agricultural Research  
Agricultural Technology Application Research Institute  
Zone-1, PAU Campus, Ludhiana-141004  
Tel.: (0) 2401092, 2401018; Fax: 0161-2412719  
Email: zcu1ldh@gmail.com; Website: www.apptare1.org

### प्राक्कथन

कृषि ने मानव सभ्यता के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत की आबादी का अधिकांश हिस्सा कृषि में ही कार्यरत है। कृषि तकनीकों के विकास के कारण फसल उत्पादकता में लगातार वृद्धि हुई है तथा इन नई तकनीकों की वजह से कृषि की पद्धतियों में भी उल्लेखनीय बदलाव आया है। विशेष रूप से खाप उत्पादन के लिए फसल सुरक्षा उपायों में कीटनाशकों के उपयोग में। हालांकि, कीटनाशक रासायनिक या जैविक पदार्थों के ऐसे मिश्रण होते हैं, जो कीड़े मकोड़ों से होनेवाले दुष्प्रभावों को कम करने, उन्हें मारने या उनसे बचाने के लिए प्रयोग में लाये जाते हैं। यदि रासायनिक कीटनाशकों का सही इस्तेमाल किया जाए तो वे फायदेमंद साबित हो सकते हैं, परंतु उनकी बढ़ती मात्रा, गैर जिम्मेदाराना ढंग से इस्तेमाल तथा उनके दुरुपयोग से मनुष्य, पशु और पर्यावरण के लिए समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं।

कीटनाशकों का दुरुपयोग एक विश्व-व्यापी समस्या के रूप में उभर कर आया है, इसका मुख्य कारण किसानों में कीटनाशकों के उपयोग से सम्बंधित अपर्याप्त जानकारी एवं प्रशिक्षण का अभाव है। इस वजह से वर्तमान परिदृश्य में यह अत्यंत महत्वपूर्ण है, कि किसानों के बीच समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाये जाये। इसके साथ ही देश में किसानों के द्वारा कीटनाशकों के अवशेषों की निगरानी के लिए एकीकृत कीट प्रबंधन दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया जाये। साथ ही फसलों पर कीटनाशकों का उचित उपयोग के लिए सुधारात्मक कार्यवाही शुरू की जाए। इस पुस्तिका का मुख्य उद्देश्य किसानों में कीटनाशकों का सुरक्षित और विवेकपूर्ण इस्तेमाल तथा उन्हें सुरक्षित, प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण कीटनाशकों की उपलब्धता से संबन्धित जानकारी प्रदान करने का है। मुझे आशा है इस पुस्तिका के माध्यम से किसानों में इस दिशा में जागरूकता उत्पन्न होगी। इसके साथ ही मैं सभी लेखकों व संपादकों को उनके योगदान के लिए शुभकामनाएं एवं धन्यवाद देता हूँ।

  
(राजवीर सिंह)



हर कदम, हर डगर  
किसानों का हमसफर  
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

*AgriSearch with a human touch*